PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Business Bhaskar, Faridabad
Friday, 31st December 2010, Page: 3
Width: 9.74 cms Height: 12.62 cms, Ref: pmin.2010-12-31.55.25

फार्मा निर्यात में 12 फीसदी बढ़त

फार्मास्युटिकल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के मुताबिक वित्त वर्ष 2009-10 के दौरान भारत से 8.8 अरब डालर की दवाइयों का निर्यात किया गया

बिजनेस भास्कर • नई दिल्ली

फार्मा क्षेत्र के निर्यात में पिछले साल के मुकाबले लगभग 12 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। फार्मा निर्यातकों का कहना है कि यूरोपीयन यूनियन के साथ जेनेरिक दवाइयों को लेकर उठे विवाद के सुलझने के साथ हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के दवाई निर्माताओं को मिलने वाली कर छूट की घोषणा से भी निर्यात को प्रोत्साहन मिलेगा। फार्मास्युटिकल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के क्षेत्रीय अधिकारियों के मुताबिक वित्त वर्ष 2009-10 के दौरान भारत से 8.8 अरब डालर की दवाइयों का निर्यात किया गया। चालू वित्त वर्ष (2010-11) के दौरान 9.6 डालर का निर्यात लक्ष्य तय किया गया है। और फिलहाल की निर्यात रफ्तार को देखते हुए इस लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया जाएगा। भारत मुख्य रूप से जेनेरिक दवाइयों का निर्यात करता है।

काउंसिल के मुंबई स्थित एक पदाधिकारी के मुताबिक फार्मा क्षेत्र के निर्यात में पिछले पांच साल के दौरान जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। 14,000 करोड़ रुपये का निर्यात 45,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है और उम्मीद है कि 2014-15 तक यह निर्यात 90,000 करोड़ रुपये के स्तर को छू लेगा। भारत सबसे अधिक अमेरिका को दवाइयों का निर्यात करता है। इसके अलावा लैटिन अमेरिका, मध्य पूर्व देश और अफ्रीकी देशों को भी भारी मात्रा में भारत से दवाइयां भेजी जाती है। यहां के कई देश फोकस मार्केट की सूची में है। निर्यातकों के मुताबिक अभी हाल ही में अफ्रीकी देशों से एड्स की दवाइयों की आपूर्ति के लिए भारत को भारी मात्रा में आर्डर दिए गए हैं। माना जा रहा है कि यह आर्डर अफ्रीका में खपत होने वाली एड्स दवाइयों का लगभग 34 फीसदी है।